Publication	Edition	Date	Page
DNA - Indore connect	Indore	13 April 2014	03

Designers to participate in regional-level event of Fashion Technology 2014

Apparel training centre to host fashion event

dna correspondent

> The event aims to let the budding fashion designing students understand the promising potential of the field as majority of these students dabble in the sector without any knowledge -PREITY SARVA, Principal, ATDC Indore

City's budding fashion designers would get a chance to showcase their creativity and talent at the regional-level event of Fashion Technology 2014.

These aspiring professional of the fashion industry would be rubbing shoulders with their counterparts from 86 fashion technology institutes from western region including Indore.

The regional-level of Fashion Technology 2014 is to being hosted by city-based Apparel Training and Design Centre (ATDC) Indore on April 21-22. The competition is being jointly organised by FICCI, ATDC and National Skill Development Corporation.

Principal ATDC Indore Preity Sarva told dna that the event aims at having 15 to 30 participants, out of which three would be shortlisted for national event to be held next month.

Three designers each would be selected from other regional events to be held at Bangalore, Faridabad and Kolkata and they would exhibit their skills at the international event to be held at Sau Paulo, Brazil in August 2015.

The skills of aspiring professional in designing, patter making and sewing would be tested, she said. The participants would be asked for designing, cutting and sewing trousers and female overcoat as part of the event, which would be judged by a jury.

The theme of the creations would be Spring Collection.

ATDC Indore has sent participation invitations to 16 fashion schools of the city including NIFD, Women's Polytechnic, Old GDC, New GDC, SDPS, Vaishnav Polytechnic, Virtual Voyage and others.

"The aim of the event is to let the budding fashion designing students understand the promising potential of the field as majority of these students dabble in the sector without having any knowledge," Sarva said.

The west zone includes places like Bhopal, Mumbai, Surat, Pune, Nagpur, Nashik, Raipur, Chhindwara and others.

Outlining the scope of this sector, the principal said that in the last financial year, the Indore chapter helped 618 students get jobs with 3008 placements with every student receiving at least three job offers, she added.

Publication	Edition	Date	Page
Business Jagran	Indore	14th April 2014	07

फैशन टेक्नोलॉजी और अपेरल इंडस्ट्री में हुनर दिखाने का अवसर

ब्राजील में दम दिखाएगी हमारी 'प्रतिभा'

सेंट्रल इंडिया में एटीडीसी इंदौर तैयार करेगा बेस्ट प्रतियोगी

i SPECIAL

Pankaj Bharti

INDORE (13 April): प्रदेश की अपेरल व टेक्सटाइल इंडस्ट्री के हुनरमंद लोगों को अपनी प्रतिभा संपूर्ण विश्व में दिखाने का अवसर मिलने वाला है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अधिन आने वाला अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर (एटीडीसी) उद्योग संगठन फिक्की के सहयोग से विश्व स्किल कॉम्पीटीशन का आयोजन कर रहा है। इसमें फैशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की बेस्ट प्रतिभाओं का चयन किया जाना है। अपेरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा संपूर्ण देश में 177 अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटरों का संचालन किया जाता है। जिसमें से ब्राजील में होने वाली वर्ल्ड स्किल्स 2015 के लिए चार एटीडीसी का चयन किया गया है। जिसमें इंदौर, बैंगलुरु, फरीदाबाद और कोलकाता शामिल है। मध्यभारत में सिर्फ इंदौर सेंटर का चयन किया गया है। इंदौर में 21 व 22 अप्रैल को छात्रों का चयन किया जाएगा। जबकि बैंगलुरु में 14 व 15 अप्रैल, फरीदाबाद में 25-26 अप्रैल और कोलकाता में 30 अप्रैल व एक मई को चयन होना है।

नई सोच, नया जोश

वर्ल्ड स्किल्स 2015 में फैशन टेक्नोलॉजी में गारमेंट इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने वाले या इंडस्ट्री में पहले से मौजूद युवाओं को मौका मिलेगा। एटीडीसी इंदौर की प्रिंसिपल प्रीति सर्वा के अनुसार युवाओं में फैशन इंडस्ट्री को लेकर नई सोच व कुछ नया करने का जज्बा रहता है। उनकी योग्यता को उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए ही इस प्रकार के आयोजन को किया जा रहा है।

15-15 छात्रों को मौका

एटीडीसी के चारों सेंटरों पर फैशन टेक्नोलॉजी के बेस्ट 15-15 छात्रों और प्रोफेशनल्स का चयन किया जाना है। इस प्रकार संपूर्ण देश से कुल 60 छात्रों का चयन किया जाएगा। इन 60 छात्रों में से ब्राजील में होने वाली प्रतियोगिता के लिए कितनों को चुना जाएगा फिलहाल इस पर निर्णय होना शेष है। एटीडीसी सूत्रों का कहना है कि अधिक संख्या में प्रतिभाओं के आने पर 15 के स्थान पर 30 छात्रों का चयन भी किया जा सकता है लेकिन इस पर भी निर्णय होना बाकी है।

उद्योग जगत भी होगा शामिल

इंदौर में स्थित टेक्सटाइल व अपेरल सेक्टर की कंपनियों के कर्मचारियों को भी इस प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इसके लिए उद्योग जगत से बेस्ट कर्मचारियों को शामिल करने की बात कही गई है। जिन कंपनियों को एटीडीसी ने मेल किया है उनमें प्रतीभा सिंटिक्स, फलौदी गारमेंट, ट्रेंड अपेरल आदि शामिल हैं।

618 स्किल्ड हुए तैयार

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अधिन आने वाला अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर (एटीडीसी) रेडीमेड निर्माण में स्किल्ड कर्मचारियों को तैयार करता है। शहर में यह रेडीमेड कॉम्पलेक्स में ही स्थित है, हालांकि इसके द्वारा जितने कर्मचारियों को ट्रेंड किया जा रहा है उसके मुकाबले इंडस्ट्री में मांग काफी अधिक है। गत वित्त वर्ष में यहां से 618 छात्रों को रेडीमेड निर्माण सेक्टर के लिए ट्रेंड किया गया है। रेडीमेड निर्माण सेक्टर में स्किल्ड कर्मचारियों की कितनी कमी है इसका पता इस बात से लगाया जा सकता है कि इन छात्रों को प्लेसमेंट प्रतिशत 300 रहा है। अर्थात एक छात्र के पास तीन-तीन जॉब ऑफर थे। इसी प्रकार अप्रैल 2011 से मार्च 2013 तक 2063 छात्रों को ट्रेंड किया गया है। एटीडीसी के अनुसार हम जितने कर्मचारी इंडस्ट्री के लिए तैयार करते हैं उनमें से 70 फीसदी ही इंडस्ट्री में जाते हैं शेष अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के चलते जॉब नहीं कर पाते हैं। एटीडीसी द्वारा एक माह की ट्रेनिंग का खर्चा 5750 रुपए है लकिन केन्द्र सरकार यह खर्चा स्वंय उठाती है अर्थात छात्रों को इसके लिए कोई भुगतान नहीं करना होता है।

"फैशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की बेस्ट प्रतिभाओं को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्व स्किल कॉम्पीटीशन का आयोजन किया जा रहा है। बेस्ट छात्रों को चुनने के लिए मध्यभारत में सिर्फ इंदौर सेंटर को चुना गया है।

- प्रीति सर्वा, प्रिंसिपल, एटीडीसी, इंदौर

86 संस्थान को किया मेल

मध्यभारत में सिर्फ एटीडीसी इंदौर के माध्यम से ही छात्रों का चुनाव होना है। इस हेतु संस्थान ने मप्र व अन्य प्रदेशों के फैशन टेक्नोलॉजी से जुड़े 86 संस्थानों को मेल किया है। इसमें इन संस्थानों से अपने बेस्ट प्रतियोगियों को एटीडीसी भेजने की बात कही गई है। यह संस्थान इंदौर, नागपुर, पुणे, नासिक, भोपाल, सूरत, मुंबई, देवास, छिंदवाड़ा, रायपुर आदि में स्थित है। जिन संस्थानों को मेल किया गया है उनमें एनआईएफडी, गुजराती कॉलेज, आईपीएस, प्रेफ्टी, ओल्ड जीडीसी, न्यू जीडीसी, आईटीआई, वुमन्स पॉलिटेक्नीक कॉलेज और वे सभी संस्थान शामिल है जहां फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स संचालित किया जा रहा है।

i CONNECT
अपना फीडबैक हमसे यहां शेयर कर सकते है
facebook.com/indore/inext
mail us : indore@inext.co.in
Call or SMS: 09827296250

छोटे उद्योगों के लिए बेहतर रहेगी एक व्यक्ति वाली कंपनी

inext reporter

INDORE (13 April): छोटे व मध्यम श्रेणी के उद्यमियों के लिए अच्छी खबर है कि नए वित्त वर्ष में 'एक व्यक्ति वाली कंपनी' के नायाब आइडिया पर अमल शुरू हो गया है। हालांकि, कोई भी व्यक्ति कारोबारी मकसद से इस तरह की अधिकतम पांच कंपनियों का ही पंजीकरण करा सकेगा। वन पर्सन कंपनी (ओपीसी) से छोटे उद्यमियों के साथ-साथ हथकरघा एवं हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के लिए भी अब अवसरों के नए द्वार खुल गए हैं। हालांकि, ओपीसी खोलने से पहले संबंधित लोगों को कुछ शर्तों का पालन करना होगा। नए कंपनी अधिनियम के मुताबिक, इस तरह की कंपनी के नाम के ठीक नीचे प्रकोष्ठ में 'वन पर्सन कंपनी' लिखना होगा।

पहले लगते थे दो व्यक्ति

नए कंपनी अधिनियम के प्रभावी होने से पहले कम-से-कम दो शेयरधारक किसी भी कंपनी का गठन करने के लिए जरूरी होते थे। कंपनी एक्ट 2013 के लिए जारी मसौदा नियमों के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को पांच से ज्यादा ओपीसी (वन पर्सन कंपनी) का गठन करने की इजाजत नहीं होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ओपीसी के गठन का रास्ता साफ हो जाने से उद्यमियों को कहीं ज्यादा आसानी से फंड मिलने की उम्मीद है। इसी तरह जब एसएमई (छोटे व मझोले उपक्रम) सेक्टर में ओपीसी अस्तित्व में आ जाएंगी तो उससे सरकार को इस सेक्टर में बनने वाले उत्पादों की क्वालिटी पर करीबी नजर रखने और उसी के मुताबिक नीतियां बनाने में आसानी होगी।

विदेशों में पहले से अनुमति

अमेरिका, सिंगापुर और चीन समेत अनेक देशों में उद्यमियों को अपने बिजनेस अथवा कारोबार को वन पर्सन कंपनी का स्वरूप देने की इजाजत मिली हुई है। किसी निकाय की पेड अप शेयर कैपिटल या टर्नओवर के तय सीमा से ज्यादा हो जाने पर उसको मिला ओपीसी का दर्जा खत्म हो जाएगा। मसलन, जब इस तरह के निकाय की पेड अप शेयर कैपिटल 50 लाख रुपए से ज्यादा हो जाएगी तो उसे मिला ओपीसी का दर्जा समाप्त हो जाएगा।

इसी तरह जब किसी निकाय अथवा फर्म का औसत सालाना टर्नओवर आलोच्य अवधि के दौरान 2 करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा तो वह फर्म वैसी स्थिति में ओपीसी नहीं रह पाएगी।